>

Title: Need to protect the interest of Onion farmers distressed due to fall in price of Onion.

श्री राजू शेट्टी (हातकंगले): आज फिर एक बार देश का प्याज उत्पादक किसान गंभीर संकट से गुजरने को मजबूर हो गया है । एक और जहां किसान को प्याज उगाने में 1000/- रू. कुंतल से भी ज्यादा खर्च आ रहा है, वहीं तीन महीने पहले 4 हजार रू. कुंतल बेचे गये प्याज से पूरे देश में हड़कंप मच गया था एवं प्याज 100 रू. प्रति किलो तक बिका । वही प्याज आज एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी लासलगांव जिला नाशिक (महाराष्ट्र) में 500 रू. कुंतल से 1700 रू. तक बिक रहा है । आज नाशिक जिले की सभी मंडियों में हर दिन कम से कम 1 लाख 50 हजार कुंतल खरीद प्याज बिक्री के लिए आ रहा है । नाशिक का किसान और एक बार आंदोलन के कगार पर खड़ा है । उन्होंने सोमवार दिनांक 16.12.2013 को एक दिन प्याज न बेचने का ऐलान किया है , इस वर्ष प्याज के लागत क्षेत्र में बढ़ोतरी हुयी है । पूरे महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक जिलों में विशेषकर नाशिक में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की संभावना है । मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि प्याज की 1150 डॉलर तक बढ़ाई हुई एमईपी जो कि अप्रत्यक्ष रूप से निर्यात पाबंदी जैसी है, को तुंत हटाकर शून्य पर लाने की जरूरत है । इससे प्याज के गिरते हुए दामों में सुधार आ सकता है । दूसरी ओर अगर प्याज के दाम दो हजार रू. के उपर स्थिर हो सके तो एमईपी के उपर सरकार तुंत विचार करे । अगर ऐसा निर्णय तुंत नहीं लिया तो किसानों की हालत बिगड़ेगी और अंतर्राष्ट्रीय मार्केट हमारे हाथ से चला जायेगा ।

-